देश के औद्योगिक नक्शे पर चमका तमिलनाडु

- उत्पादन के मामले में गुजरात आगे
- राष्ट्रीय आय में महाराष्ट्र है अव्वल

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई, 7 नवंबर. देश में कारखानों की संख्या के मामले में तमिलनाडु और उत्पादन में गुजरात सबसे आगे हैं. वहीं, उत्पादन के मामले में गुजरात और राष्ट्रीय आय में योगदान देने के मामले में महाराष्ट्र अव्वल स्थान पर है.

सांख्यिकी मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में छोटे कारखानों की संख्या सर्वाधिक है, पर कुल पूंजी का 79.59 फीसदी बड़े उद्योगों के पास है. 2.18 लाख कारखानों में 2.10 करोड़ लोगों को रोजगार- देश के 2.18 लाख कारखानों में 2.10 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है. एक औसत कारखाना 96 लोगों को रोजगार देता है. इसमें 2,339 लाख रुपये की स्थायी पूंजी लगी होती है.

यह 7,561 लाख रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करता है. इससे राष्ट्रीय आय में 1,052 लाख रुपये का शुद्ध मूल्य संवर्धन होता है. इन कारखानों ने कर्मचारियों को 8.03 लाख करोड़ रुपये का पारिश्रमिक दिया. विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊंचाई देने के लिए तमिलनाडु के मजबूत कारखाना नेटवर्क, गुजरात की निवेश एवं उत्पादन क्षमता और महाराष्ट्र के मूल्य संवर्धन व औद्योगिक उत्पादकता का समन्वय जरूरी है.



प्रमुख उद्योगों का योगदान

खाद्य उत्पाद उद्योग उत्तर प्रदेश के कुल औद्योगिक उत्पादन में 22.02 फीसदी योगदान के साथ सबसे आगे है. खाद्य उद्योग के कुल उत्पादन में उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की संयुक्त हिस्सेदारी 37.61 फीसदी है. रसायन एवं रासायनिक उत्पाद उद्योग में गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश मिलकर 56.31 फीसदी उत्पादन करते हैं. रोजगार देने में खाद्य उत्पाद उद्योग 11.24 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे है. इसके बाद कपड़ा उद्योग 8.37 फीसदी और बुनियादी धातु उद्योग 7.54 फीसदी पर हैं.

टाटा स्टील का क्यू2 मुनाफा 16% बढ़ा, 3,699 करोड़ दर्ज

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 7 नवंबर. भारत की दिग्गज इस्पात निर्माता कंपनी टाटा स्टील ने 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के शानदार वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं. मजबूत घरेलू मांग और बेहतर परिचालन दक्षता के दम पर कंपनी के प्रदर्शन में तगड़ा उछाल देखने को मिला है. टाटा स्टील ने घोषणा की है कि सितंबर तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 16.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,699.59 करोड़ तक पहुंच गया है. पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी को 3,183.09 करोड़ का मुनाफा हुआ था. कंपनी के परिचालन से प्राप्त समेकित राजस्व में भी जोरदार सुधार दर्ज किया गया है.

टाटा कंज्यूमर के प्रमुख अब वोल्टास अध्यक्ष

- नोएल टाटा चेयरमैन एमेरिटस बने
- सुनील डी 'सूजा चुने गए नए अध्यक्ष

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 7 नवंबर. टाटा समूह की प्रमुख कूलिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनी वोल्टास लिमिटेड में बड़े संगठनात्मक बदलाव की घोषणा की गई है.

टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा अपनी आयु सीमा के चलते 11 नवंबर 2026 को वोल्टास के चेयरमैन और निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं.

कंपनी के बोर्ड ने उनके दीर्घकालिक योगदान को सम्मान देते हुए 12 नवंबर 2026 से उन्हें 'चेयरमैन एमेरिटस' नियुक्त किया है. कंपनी अधिनियम 2013 और टाटा समूह के कड़े शासन दिशानिर्देशों के तहत यह बदलाव हुआ है, जिसके अनुसार 70 वर्ष या उससे अधिक आयु का कोई भी पूर्णकालिक निदेशक पद पर नहीं रह सकता. नोएल टाटा 2003 से इस प्रतिष्ठित कंपनी के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में वोल्टास ने बाजार में अपनी स्थिति को बेहद मजबूत किया है.



वोल्टास के बोर्ड ने नए अध्यक्ष के रूप में सुनील डी 'सूजा के नाम पर मुहर लगा दी है. सुनील डी 'सूजा वर्तमान में टाटा समूह की प्रमुख एफएमसीजी इकाई, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं. टीसीपीएल के तहत टाटा सॉल्ट, टाटा टी, टेटली और टाटा संपन्न जैसे दिग्गज ब्रांड संचालित होते हैं. उनकी कॉरपोरेट नेतृत्व क्षमता और व्यापक व्यावसायिक अनुभव को देखते हुए वोल्टास के अगले विकास चरण की कमान उन्हें सौंपी गई है, जो 12 नवंबर 2026 से प्रभावी होगी.

गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार गुलजार

एफआईआई के मजबूत भरोसे से निवेशकों ने कमाए 1 लाख करोड़

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 07 नवंबर. वैश्विक शेयर बाजारों में चारों तरफ मचे हाहाकार और बिकवाली के भारी दबाव के बीच भारतीय शेयर बाजार ने एक ऐसी करिश्माई छलांग लगाई, जिसने सबको हैरान कर दिया.

अमेरिकी शेयर बाजार में 19 महीनों की सबसे बड़ी एक दिनी गिरावट दर्ज की गई और एशियाई बाजार भी दबाव में थे, जिसके चलते भारतीय बाजार ने भी शुक्रवार को कमजोर शुरुआत की थी. लेकिन कारोबार आगे बढ़ने के साथ ही बाजार का रुख पूरी तरह बदल गया और घरेलू तथा विदेशी निवेशकों ने जमकर लिवाली शुरू कर दी.

सेंसेक्स अंतत: 81,028 के मजबूत स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 ने 25,000 का मनोवैज्ञानिक आंकड़ा सफलतापूर्वक छू लिया. इस अप्रत्याशित और शानदार तेजी के दम पर एक ही कारोबारी सत्र के भीतर निवेशकों की कुल संपत्ति में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का भारी इजाफा हुआ.अमेरिका में एआई से जुड़ी कंपनियों और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर बढ़ती



नियामक चिंताओं तथा अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के बाद बने अनिश्चितता के माहौल के कारण वहां टेक शेयरों में भारी बिकवाली हुई.

इसके विपरीत, भारत के मजबूत बुनियादी और आर्थिक संकेतों के चलते विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में छह साल की सबसे बड़ी खरीदारी करते हुए अपना भरोसा जताया है.

आधार डॉक्यूमेंट अपडेट 14 जून 2027 तक मुफ्त

नई दिल्ली, 7 नवंबर. भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा आधार कार्ड में पहचान और पते से जुड़े दस्तावेजों को ऑनलाइन अपडेट करने की मुफ्त सुविधा की समयसीमा को 14 जून 2027 तक बढ़ा दिया, नागरिकों को घर बैठे अपने आधार डेटा को अद्यतन रखने का एक बड़ा और नि:शुल्क अवसर मिल गया है. मुफ्त सुविधा केवल माईआधार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किए जाने वाले डॉक्यूमेंट अपडेट पर ही लागू होती है.

सोना-चांदी में नवंबर के पहले हफ्ते में मामूली तेजी

- सोना रुपए 1398 बढ़कर 1.41 लाख का हुआ
- चांदी रुपए 1524 बढ़ी

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 7 नवंबर। नवंबर महीने के पहले कारोबारी हफ्ते में घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई है.

एक हफ्ते में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम में 1,398 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, जिससे सोना अब 1.41 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है. पिछले हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन यानी 30 अक्टूबर को सोना 1.40 लाख रुपए पर बंद हुआ था. वहीं दूसरी ओर, सफेद धातु यानी चांदी की चमक में भी हल्का सुधार देखा गया है; 1 किलो चांदी की कीमत 1,524 रुपए बढ़कर 1.83 लाख रुपए पर पहुंच गई है, जबकि 30 अक्टूबर को चांदी 1.81 लाख रुपए पर थी. इस साल सोने और चांदी की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. इस साल



29 जनवरी को चांदी अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 3.86 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थी, जिसके मुकाबले वर्तमान में चांदी करीब 2 लाख रुपए सस्ती बिक रही है. 29 जनवरी को 24 कैरेट सोना 1.76 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था, जिससे तुलना करें तो सोना अभी लगभग 35 हजार सस्ता मिल रहा है.

एक शहर से दूसरे शहर तक सोना सुरक्षित पहुंचाने में परिवहन और सुरक्षा का अतिरिक्त खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी के हिसाब से कीमतों में अंतर आता है.दक्षिण भारत जैसे क्षेत्रों में सोने की खपत देश की कुल खपत का करीब 40% है.

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

- 100 डॉलर के नीचे आया ब्रेंट क्रूड
- दिल्ली में पेट्रोल 102.12, डीजल 95.20 प्रति लीटर

नई दिल्ली, 7 नवंबर. अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिका और ईरान के बीच संभावित कूटनीतिक सुलह के संकेतों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में राहत देखने को मिली है.

ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 97.76 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है. पिछले महीने तक 117 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को छूने वाले कच्चे तेल में आई यह नरमी भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देश के लिए एक बड़ी राहत मानी जा रही है. हालांकि, सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 7 नवंबर को भी घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव न करते हुए दरों को स्थिर रखा है.









अपने व्यापार को दें नई ऊंचाइयां **नवभारत** के माध्यम से











